

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 11, अंक - 30 , 04 अक्टूबर से 10 अक्टूबर , 2026

मूल्य - 10 रुपये | पृष्ठ 8

WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

मोर्निंग
सिटी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली के जंतर-मंतर के पास शनिवार को ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा) और लेफ्ट संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त जानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर लगातार दूसरे दिन भी प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग की। करीब 150 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों में

झड़प भी हुई। इससे पहले शुक्रवार को हुए प्रदर्शन के दौरान 1,000 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया था। प्रदर्शन में एआईएसए राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा, वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, कार्यकर्ता योगेंद्र यादव और वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण शामिल हुए। वे पटेल चौक से जंतर मंतर की ओर मुख्य चुनाव आयुक्त जानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करने और उनके इस्तीफे की मांग को लेकर मार्च कर रहे थे।

ज्ञानेश का विरोध, जंतर-मंतर पर दूसरे दिन भी हंगामा

सिब्बल, योगेंद्र, प्रशांत भूषण सहित कई दिग्गज नेता हुए शामिल

एसआईआर का विरोध, सीईसी का मांगा इस्तीफा

नेहा ने की थी अपील

यह नया प्रदर्शन शुक्रवार को हिरासत में ली गई नेहा बोरा के आह्वान के बाद हुआ। बोरा ने कार्यकर्ताओं से दोपहर 1 बजे जंतर मंतर आने और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के साथ-साथ चुनावी नामावली के एसआईआर को लेकर चिंता जताते हुए प्रदर्शन जारी रखने की अपील की थी।

दिल्ली प्रदर्शन पर 3 एफआईआर

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में हुए प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस ने 3 एफआईआर दर्ज की हैं। ये मामले प्रदर्शनकारियों द्वारा निषेधाज्ञा के बावजूद जुटने और प्रदर्शन करने के आरोपों से जुड़े हैं। दो एफआईआर संसद मार्ग थाने में, जबकि एक एफआईआर कर्नाट प्लेस थाने में दर्ज की गई है।



काकरोच प्रदर्शन

500 पर एफआईआर

मुंबई पुलिस ने कांकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दो अक्टूबर को शिवाजी पार्क में किए गए विरोध प्रदर्शन के मामले में आयोजकों और 400-500 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की हैं।

राहुल ने वोट चोरी का आरोप लगाया

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग, एसआईआर और वोटर लिस्ट से जुड़े विवाद पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने वोट चोरी की है। वे देशभरों हैं। मैंने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था।

यूएई सरकार का खुलासा- इजराइल में प्लेन क्रैश की थी साजिश

ओमानी
को-पायलट
का नाम
उजागर

जेहादी सोच के चलते हटाया गया था नौकरी से

एजेंसी ►► दुबई

संयुक्त अरब अमीरात के अदलीन जनरल (प्रॉक्सिमिटर जनरल) हमाद सैफ अल शम्सी ने शनिवार को आधिकारिक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, प्लेन क्रैश कराने की यह सोची-समझी साजिश के तहत यह हमला हुआ था।

29 साल के को-पायलट हम्माम ने कॉकपिट के भीतर आपातकालीन स्थिति में इस्तेमाल होने वाली क्रैश एक्स (एक तरह की कुल्हाड़ी) और धारदार हथियार से भारतीय कैप्टन स्मित मछर पर अचानक हमला कर दिया था। हमला करने के बाद हम्माम ने विमान के कंट्रोल पैनल को अपने हाथ में लेकर उसे तेजी से नीचे की ओर गिराना शुरू कर दिया, ताकि विमान को इजराइल की सीमा में क्रैश किया जा सके।

दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 में कॉकपिट के भीतर भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछर पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी ओमानी को-पायलट की पहचान हम्माम अल-हम्मामी के रूप में हुई है। यूएई अदालती जनरल ने पुष्टि की है कि यह कोई साधारण आपसी विवाद नहीं, बल्कि एक सोची-समझी 'आतंकवादी वारदात' थी।



फ्लाईदुबई के को-पायलट ने भारतीय कैप्टन स्मित पर कुल्हाड़ी से किया था वार!

पहले भी 'ओमान एयर' से निकाला जा चुका था आरोपी

हम्माम अल-हम्मामी को बैकग्राउंड की जांच में कई बेहद चौंका देने वाले और चिंताजनक खुलासे हुए हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल और 'एबीसी न्यूज' की रिपोर्टों के मुताबिक, हम्माम अल-हम्मामी पहले ओमान की राष्ट्रीय एयरलाइन 'ओमान एयर' में ट्रेनिंग को-पायलट था। 2024 में उसके पास से कट्टरपंथी और जिहादी सामग्री बरामद होने और हिंसक गतिविधियों में संलिप्तता के बाद उसे उड़ान ड्यूटी से हटाकर डेस्क जॉब पर डाल दिया गया था। ओमान एयर छोड़ने के बाद वह करीब 8 महीने पहले ही फ्लाईदुबई में भर्ती हुआ था। स्वागत उठ रहे हैं कि ओमान सरकार की ओर से प्लेन क्रैश जाने के बावजूद यूएई की एयरलाइन में उसका बैकग्राउंड वेरिफिकेशन सही से क्यों नहीं हुआ। रिपोर्टों के अनुसार, घटना के कुछ ही घंटे बाद हम्माम के सौशल मीडिया और लिंकडिन प्रोफाइल पर अल-कायदा नेताओं की तस्वीरें और भड़काऊ कमेंट पार गए, जिन्हें बाद में हटा दिया गया।

फ्लाईदुबई की फ्लाइट में क्या हुआ था?

30 सितंबर 2026 को दुबई से तेल अवीव (इजरायल) जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 के कॉकपिट में सह-पायलट और मुख्य पायलट के बीच हिंसक झड़प हुई। सऊदी अरब के ऊपर करीब 33,000 से 34,000 फीट की ऊंचाई पर फ्लाईदुबई की फ्लाइट करीब दो घंटे का समय बीतने के बाद उड़ रही थी। तभी को-पायलट हम्माम अल-हम्मामी ने कैप्टन स्मित मछर पर हमला किया और उन्हें कुल्हाड़ी से मारत। मछर रूप से घायल होने के बावजूद, मछर कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे। पॉसम मोदी ने भी स्मित से बात की थी।

होर्मुज में टैंकर पर मिसाइल हमला बचाए गए 5 भारतीय नाविक



नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी भीषण तनाव के बीच ओमान के पास स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक और जहाज हमले का शिकार हुआ है। कुवैत के झंडे वाले इस तेल टैंकर पर मिसाइल से हमला किया गया। हालांकि ओमान में स्थित भारतीय दूतावास की तत्परता से जहाज पर सवार सभी पांच भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। ओमान स्थित भारतीय मिशन ने इसकी जानकारी दी है। दूतावास ने स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल बिठाकर बचाव अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। जहाज पर मौजूद सभी 5 भारतीय कू सदस्यों को सुरक्षित तट पर ले जाया गया है। भारतीय दूतावास ने इस त्वरित सहायता और सहयोग के लिए ओमानी अधिकारियों का विशेष आभार व्यक्त किया है।

जहाजों पर बढ़ता खतरा

भारतीय मिशन ने घटना के पीछे के कारणों और हमले की परिस्थितियों को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। आपको बता दें कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं बढ़ गई हैं।

अमेरिका में हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला, अंदर मौजूद थे भक्त

एजेंसी ►► वाशिंगटन

अमेरिका के ओहियो में एक हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला करके तोड़-फोड़ की गई है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन और कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने बताया कि ग्रेटर क्लीवलैंड में स्वामीनारायण हिंदू मंदिर वडथलधाम की खिड़कियां टूटने से नुकसान हुआ है।

दो एडवोकेसी ग्रुप्स ने बताया कि यह कथित हमला शुक्रवार दोपहर को हुआ जब पुजारी और कुछ भक्त मंदिर के अंदर थे। वहीं, हमला ऐसे समय में हुआ है जब राज्य में इंडियन-अमेरिकन कम्युनिटी 10 दिनों से भी कम समय में नवरात्रि त्योहार के साथ हिंदू हेरिटेज मंथ मनाने की तैयारी कर रही थी।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने लिखा- यह हेत काइन

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुहाग शुक्ला ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'यह अब सच है। ऑनलाइन नफरत एक हिंदू मंदिर पर असल दुनिया के हमले में बदल गई है। वीडियो देखें और अपराधी को पकड़ें।' एचएएफ ने कहा कि यह संभावित हेत काइन ऐसे समय में हुआ है जब हिंदू अमेरिकी समुदाय के खिलाफ पहले कभी न देखी गई नफरत और जहर उगला जा रहा है।

ओहायो के श्री स्वामीनारायण मंदिर को बनाया गया निशाना



नेताओं और एजेंसियों से लिंक की अपील

उन्होंने आगे कहा, 'हम अपने देश के तुने हुए नेताओं और सरकारों एजेंसियों से भी अपील करते हैं कि वे भारतीय और हिंदू अमेरिकी समुदायों के खिलाफ नफरत भरी बातों की सार्वजनिक रूप से और सफ तौर पर निंदा करें।' कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका (कोहना) ने रिचमंड हाइट्स के मेयर किम थॉमस और न्यूजिप्सल अधिकारियों से हमले की सार्वजनिक रूप से निंदा करने और कानून लागू करने वाली एजेंसियों से तुरंत कार्रवाई करने की मांग की। कोहना ने कहा, 'हम मेयर किम थॉमस और रिचमंड हाइट्स से इस तरह की कट्टरता को निंदा करने और पुलिस से अपराधों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने की अपील करते हैं।'

पहले भी हुए हैं हमले

कोहना ने अमेरिका में हिंदूओं के खिलाफ बढ़ती दुश्मनी और हिंसा पर भार बर धित जात है। मंदिर से जुड़ी कई घटनाओं को डेक्क्रेट में किया है। इनमें कोहना के कई टाइम्स में अक्टूबर 2022 में वीरस न्यूयॉर्क में श्री तुलसी मंदिर में महानगरी की भूतों को नुकसान पहुंचाने जैसी घटनाओं के साथ दिसंबर 2023 में नेवार्क के फोर्कवॉश में एसएससीएसपी श्री स्वामीनारायण मंदिर में रो-पेट की गई नफरत भरी बैफ्टों का भी जिक्र किया गया है।

'लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में देरी से वायुसेना को नुकसान' एयर चीफ बोले- हर साल 36-40 जेट चाहिए; क्यों जरूरी?

नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना में नए लड़ाकू विमानों को शामिल करने में हो रही बहुत ज्यादा देरी से वायुसेना को नुकसान हो रहा है। इसमें तेजस विमान भी शामिल हैं। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शनिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि वायुसेना के लड़ाकू स्क्वाड्रनों की संख्या कम होती जा रही है। वहीं, सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में हवाई ताकत की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इस वजह से विमानों की डिलीवरी में हो रही देरी से वायुसेना को नुकसान हो रहा है। वायुसेना प्रमुख ने 94वें वायुसेना दिवस से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। उन्होंने कहा कि अगले कुछ वर्षों तक वायुसेना को हर साल कम से कम 36 से 40 लड़ाकू विमानों को शामिल करने की जरूरत है। इससे विमानों की कमी को दूर करने में मदद मिलेगी। उन्होंने उम्मीद



जाता कि देश में बने तेजस मार्क-1ए विमान और एमएफआरए कार्यक्रम के तहत खरीदे जाने वाले राफेल लड़ाकू विमानों के वायुसेना में शामिल होने से स्थिति बेहतर होगी।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने पाकिस्तान और चीन के बीच पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान पर हो रहे सहयोग को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, यह चिंता की बात है। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत के पास भी अपनी क्षमताएं हैं। किसी एक विमान या हथियार के प्लेटफॉर्म से ही सब कुछ तय नहीं होता। वायुसेना की युद्ध

114 राफेल विमानों की खरीद का प्रस्ताव

भारत ने फरवरी में 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लंबे समय से लंबित प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। यह खरीद फ्रांस के साथ सरकार-से-सरकार समझौते के तहत होनी है। यह फैसला भारतीय वायुसेना की युद्ध क्षमता बढ़ाने के लिए लिया गया है। मूल योजना सामने आने के करीब दो दशक बाद इसे मंजूरी मिली है। इस सौदे की कीमत को लेकर बातचीत चल रही है। परियोजना से जुड़े दूसरे महत्वपूर्ण मुद्दों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि अगर बातचीत अच्छी तरह आगे बढ़ी, तो इस वित्तीय वर्ष में एमएफआरए समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। उन्होंने कहा, यही मेरी उम्मीद है। लेकिन यह दोनों पक्षों की प्रक्रिया है। उन्होंने भारत और फ्रांस के बीच चल रही बातचीत का जिक्र करते हुए यह बात कही।

तेजस की डिलीवरी में देरी पर क्या कहा?

वायुसेना प्रमुख ने तेजस मार्क-1ए विमानों की आपूर्ति में हो रही देरी पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, कुछ अतिरिक्त देरी हुई है। इसमें कोई शक नहीं कि इससे हमें नुकसान होगा। उन्होंने बताया कि वायुसेना को हर साल दो लड़ाकू स्क्वाड्रन शामिल करने की जरूरत है। इसका मतलब है कि हर साल 36 से 40 लड़ाकू विमान बनाए जाने चाहिए और वायुसेना में शामिल किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे वायुसेना के मौजूदा 30 लड़ाकू स्क्वाड्रनों की संख्या और नीचे जाने से रोकी जा सकेगी। इसके बाद इसे 42 स्क्वाड्रनों के लक्ष्य की ओर बढ़ाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि वास्तव में वायुसेना को इससे भी ज्यादा लड़ाकू विमानों की जरूरत है। फरवरी 2021 में रक्षा मंत्रालय ने एवएल के साथ करीब 48,000 करोड़ रुपये का समझौता किया था। इस समझौते के तहत वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए विमान खरीदे जाने थे। इन विमानों की पहली खेप मार्च 2024 में मिलनी थी। लेकिन अब तक वायुसेना को एक भी विमान नहीं मिला है।

क्षमता बढ़ाने के उपायों पर उन्होंने कहा कि सरकार इस वित्तीय वर्ष में एमएफआरए सौदे को अंतिम रूप देने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर

सब कुछ योजना के मुताबिक चलता है, तो ऐसा हो सकता है।

पाकिस्तान से सीमा पार घुसपैठ पर भारत ने जताया कड़ा विरोध: यूननयिक प्रभायी तलब

नई दिल्ली

भारत ने शनिवार को पाकिस्तान के राजनयिक प्रभारी साद वाराइच को तलब किया। भारत ने पाकिस्तान की ओर से हो रही सीमा पार अवैध घुसपैठ को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने पाकिस्तान पर ऐसी घुसपैठ को लगातार मदद देने का आरोप लगाया। नई दिल्ली में यह कदम पाकिस्तान की ओर से भारतीय राजनयिक प्रभारी को तलब किए जाने के कुछ घंटे बाद उठाया। पाकिस्तान ने भारतीय अधिकारी को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ओर से दो नागरिकों की कथित 'हत्या' के विरोध में तलब किया था। यह घटना दोनों देशों की सीमा पर पंजाब क्षेत्र में हुई थी। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने पंजाब के तरन तारन जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दो संदिग्ध पाकिस्तानी घुसपैठियों को गोली मार दी थी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान उच्चायोग के राजनयिक प्रभारी को तलब किया गया। भारत ने पाकिस्तान की ओर से सीमा पार अवैध घुसपैठ को लगातार मदद देने पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने दो अरुचुर को पंजाब के फिरोजपुर क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास हुई एक घटना को लेकर पाकिस्तान के आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया। मंत्रालय ने इन आरोपों को बेबुनियाद और एक खास मकसद से लगाए गए आरोप बताया। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी पक्ष को पूरी जानकारी दी गई। उसे बताया गया कि तीन लोग भारतीय सीमा में घुस आए थे। सीमा सुरक्षा बल ने उन्हें पाकिस्तान लौटने के लिए कई बार चेतावनी दी थी। इसके बावजूद वे सीमा पर लगी बाड़ की ओर बढ़ते रहे। मंत्रालय ने कहा कि इन लोगों से निपटने के लिए सीमा सुरक्षा बल को कार्रवाई करनी पड़ी।



सम्पादकीय

मतदाता सूची से नाम छूटने की चिंता के बीच आयोग के सामने नई चुनौती



लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अर्थ केवल सत्ता का चयन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना भी है। ऐसे में किसी पात्र नागरिक को तकनीकी कारणों का हवाला देकर मतदाता सूची से बाहर करना वैध रूप में उसके अस्तित्व को नकारने जैसा है। देश



में मतदाता सूची को दुरुस्त और अद्यतन करने के उद्देश्य से शुरू किया गया विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर अब कई उलझनों और सवालों के घेर में है। जिस प्रक्रिया का मकसद पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल करना और अपात्र नामों को हटाना है, वही आम नागरिकों के लिए परेशानी और चिंता का कारण बन गई है। मताधिकार लोकतंत्र की पहचान है और अगर बड़ी संख्या में ऐसे लोग हो सकते हैं, जिनके पास का यही अधिकार छिन जाए, तो चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना भी है। ऐसे में किसी पात्र नागरिक को तकनीकी कारणों का हवाला देकर मतदाता सूची से बाहर करना वैध रूप में उसके अस्तित्व को नकारने जैसा है। एसआइआर की प्रक्रिया में कई तरह की जटिलताएं हैं, जिनमें मतदाताओं के लिए पुराने रिकार्ड के आधार पर अपनी पहचान और पात्रता साबित करने की चुनौती प्रमुख है। देश भर में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हो सकते हैं, जिनके पास पुराने दस्तावेज उपलब्ध न हों। ग्रामीण क्षेत्रों, गरीब परिवारों, बुजुर्गों और प्रवासी मजदूरों के लिए इस तरह के जरूरी कागजात जुटाना आसान नहीं होता है। कई बार लोगों के नाम, पते और जन्मतिथि में मामूली अंतर भी उन्हें मतदाता सूची से हटाने का कारण बन जाता है। बंबई उच्च न्यायालय ने भी इस चिंता को रेखांकित करते हुए कहा है कि निर्वाचन आयोग का प्रयास ऐसी मतदाता सूची तैयार करना होना चाहिए, जिसमें अधिकतम पात्र मतदाता शामिल हों। इस उद्देश्य के लिए आयोग को हर तरह के उपाय करने चाहिए। मगर स्थिति इसके विपरीत नजर आती है, क्योंकि देश भर में अब तक तेरह करोड़ से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं।

कांग्रेस ने फिर अपनाई बांटो और राज करे की नीति

मृत्युंजय दीक्षित

वर्तमान समय में कांग्रेस पार्टी जहां एक ओर अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए चुनाव आयोग व देश की अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर हमलावर है वहीं दूसरी ओर उसके तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री रंजित रेड्डी ने हिंदू देवी देवताओं का विभाजन करके कांग्रेस की बांटो और राज करे की नीति को आगे बढ़ाकर राजनैतिक माहौल को गर्म कर दिया है। दक्षिण का राज्य तेलंगाना कांग्रेस के शासन में आर्थिक तंगी व भ्रष्टाचार से गुजर रहा है। अपनी प्रशासनिक नाकामियों तथा चुनावी वादों को पूरा करने में नाकाम रहने व मुस्लिम तुष्टिकरण को छुपाने के लिए रेवंत रेड्डी ने प्रभु श्रीराम को उर और भगवान शिव को दक्षिण का देवता बताकर एक नयी विभाजन रेखा खींचने का असफल प्रयास किया है। उत्तर भारत में अपने अस्तित्व का संघर्ष करती कांग्रेस अब विभाजनकारी मानसिकता के सबसे निचले पायदान पर पहुंच गयी लगती है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इससे पूर्व भी कई विवादित बयान दे चुके हैं। एक बार उन्होंने कहा था कि मुस्लिम ही कांग्रेस है और कांग्रेस ही मुस्लिम है। रेवंत रेड्डी का कहना है कि भगवान राम अमीरों के देवता हैं और भगवान शिव गरीबों के देवता हैं। वे स्वयं को भगवान शिव का भक्त बताते हुए कहते हैं कि भाजपा ने भगवान राम को चोरी कर लिया है। रेवंत रेड्डी का कहना है भाजपा के लोग हूहर हर महादेवह तक नहीं बोलते। वह एक बार हिंदुओं के 33 करोड़ देवताओं पर भी विकृत बयानबाजी कर चुके हैं। दिमागी नकसली नेताओं का यही लक्ष्य रहता है किसी न किसी प्रकार हिंदू देवी देवताओं का अपमान किया जाए। विगत सितम्बर में हुए गणेशोत्सव आयोजन के दौरान तेलंगाना में कई जगह से गणेशोत्सवों के आयोजन पर बाधाओं के समचार आ रहे थे। कांग्रेस पार्टी ने अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ कारिडोर का विरोध किया। जानवापी में मिले शिवलिंग को फच्चारा बजाने में सबसे पहले कांग्रेस ही मैदान में उतर पड़ी थी। रेवंत रेड्डी संभवतः यह बात भूल गए कि भगवान शिव को नीलकंठ भी कहा जाता है क्योंकि



उन्होंने समाजी की रक्षा के लिए विष को भी अपने गले में ही धारण कर लिया था। तेलंगाना के मुख्यमंत्री को भगवान श्रीराम का चरित्र पढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री को यह नहीं पता कि भगवान श्रीराम मयादा पुरोषोत्तम थे। अंग्रेजों की बनाई हुई पार्टी कांग्रेस ने अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की रणनीति के तहत ही विगत 76 वर्षों में हिंदू समाज को जाति, पंथ, संप्रदाय, भाषा और क्षेत्र के आधार पर बांटने की पूरी कोशिश की है और वह लगातार जारी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपने बयान के लिए हिन्दुओं से आर्य बनाम द्रविड का विभाजन करते हुए यह भी कहाकि हम द्रविड हैं और हम भगवान शिव को आराधना करते हैं जबकि आर्य प्रभु श्रीराम को मानते हैं।

रेवंत रेड्डी का कहना है कि बीजेपी के मंचों से जयश्रीराम का नारा सुनाई देता है जबकि हर हर महादेव का उद्धोष नहीं किया जाता । रेड्डी ने कहा कि मोदीजी हर हर महादेव क्यों नहीं कहते? रेवंत रेड्डी का बयान झूठ का पुलिंदा भर है। रेवंत रेड्डी एक यह नहीं पता कि उत्तर भारत में केदारनाथ, विश्वनाथ और हमहाकाल जैसे ज्योतिर्लिंग हैं, उत्तर भारत में ही कांवड़ यात्रा होती है और श्रावण माह महादेव को ही समर्पित रहता है। कांग्रेस को तो भगवान शिव के मंदिरों के विकास से भी चिढ़ रही है। गुरगतर के पवित्र सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार रंजने और तत्कालीन राष्ट्रपति स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद को

सोमनाथ मंदिर न जाने देने का भरसक प्रयास स्वयं नेहरु जी ने किया था। सोमनाथ मंदिर के 1000 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिभाग पर भी कांग्रेस ने नफरत भरा बयान दिया था। मध्य प्रदेश के उज्जैन में बने भव्य महाकाल कांरिडोर का विरोध भी कांग्रेस नेताओं ने ही किया था। सेवाखोजें आज दक्षिण भारत के जो कांग्रेसी नेता अपने आपको शिवभक्त बता रहे हैं वह जानवापी में मिले शिवलिंग के उद्धार के लिए आगे क्यों नहीं आ रहे हैं? कांग्रेस के शासनकाल में भगवान शिव के मंदिरों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रंजित रेड्डी को एक बार काशी विश्वनाथ धाम और सोमनाथ मंदिर में जाकर दर्शन करना चाहिए तब उन्हें स्पष्ट रूप से पता चल जाएगा कि आर्य प्रभु श्रीराम को भी भक्त हैं और भगवान शिव के भी भक्त हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामेश्वरम में भी भगवान की पूजा करते हैं और काशी विश्वनाथ धाम में भी। वह अपनी हर जनसभा में हर-हर महादेव के नारे लगाते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने निहित राजनीतिक स्वार्थ व गांधी परिवार की चाटुकारिता के लिए एक निंदनीय बयान दिया है। यह बयान भारत को उत्तर और दक्षिण में बांटने की कांग्रेस की राजनीति का हिस्सा है। भाषा के आधार पर भी कांग्रेस उत्तर और दक्षिण को लड़ाती रही है। इस बयानबाजी का एक पक्ष मुस्लिम समाज को खुश रखने के लिए हिन्दुओं की आस्था पर प्रहार करना भी है। यहां पर एक बड़ा सवाल यह भी है कि कांग्रेस के नेता कभी अन्य धर्मों के प्रति इस प्रकार के बयान क्यों नहीं देते? यह बात पूरी तरह से स्पष्ट हो चुकी है गांधी परिवार व विपक्ष को अयोध्या का भव्य राम मंदिर व काशी विश्वनाथ धाम सहित अन्य मंदिरों का विकास अच्छा नहीं लग रहा है इसलिए अब उसने यह नया नैरेटिव गढ़ना शुरू कर दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी व बीजेपी के लोग हर- हर महादेव नहीं बोलते। वास्तविकता ये है देश की जनता कांग्रेस की इस फूट डालो-राज करो की नीति अच्छी तरह से समझ चुकी है यही कारण है कि कांग्रेस लगातार सिफट रही है लेकिन वह अपने में सुधार के बजाए चुनाव आयोग व संवैधानिक संस्थाओं पर हमलावर होकर सत्ता में वापसी का प्रयास कर रही है।

चुनाव उनके - त्‍यवस्‍था हमारी

संतोष उत्‍सुक्

पिछले दिनों दुनिया के सबसे ज्यादा ताकतवर शासक न अपनी मानसिक इच्छा जाहिर की कि उनके देश में भी विश्वगुरुओं के देश जैसी चुनाव व्यवस्था होनी चाहिए। अपना देश बचाओ अभियान के अंतर्गत कहा कि मतदान के लिए वैध पहचान पत्र जरूरी है। दुनिया जानती है, हमारे यहां चुनाव आन, बान और शान से होते हैं। किसी भी स्‍तर का चुनाव हारने से होता है कि हमारी व्यवस्‍था महान मानी जाने लगी है। विश्वगुरुओं की पवित्र धरती के वासी हैं हम। स्‍वाभाविक है इन वजहों से दुनिया भर में इज्जत बढ़ जाती है। विद्वान

लोग अपने अपने नजरिए से इसे देखते और समझते हैं। दूसरे देशों के राजनेता और शक्तिशाली शासक हमारी कई व्यवस्‍थाओं को पसंद करने लगते हैं और चाहते हैं कि उनके देश में ऐसी चुनाव व्यवस्‍था हो ताकि उनके यहां भी हमारी जैसी आन, बान और शान रहने लगे। पिछले दिनों दुनिया के सबसे ज्यादा ताकतवर शासक ने अपनी मानसिक इच्छा जाहिर की कि उनके देश में भी विश्वगुरुओं के देश जैसी चुनाव व्यवस्‍था होनी चाहिए। अपना देश बचाओ अभियान के अंतर्गत कहा कि मतदान के लिए वैध पहचान पत्र जरूरी है। वे हमारी चुनाव व्यवस्‍था से बहुत खुश हैं लगता है वे हमारी दूसरी विशेषताओं भी समाहित करना चाहते हैं। जैसा शोर शराबा, जुलूस, पोस्‍टर, बैनर, अपशब्‍द, मार पिटाई वगैरा यहां होते हैं वैसे ही वहां भी हों। चुनावी उम्‍मीदवार एक दूसरे पर च्‍यक्तिगत, पारिवारिक, क्षेत्रीय, धार्मिक

और जातीय छिंटकशी करें। ऐसे प्रभावशाली नारों से उदगार प्रकट करें कि खूब सारी भावनाओं को ठेस पहुंचे। वे यह भी चाहते होंगे कि चुनाव में ऐसे वायदे किए जाएं जिनको पूरा करने की उम्‍मीद न हो। ऐसा लगे रंगीन ख्‍वाब दिखाए जा रहे हैं। ऐसे लोग चुनाव लड़ सके जिनकी कोई सामाजिक, नैतिक और शैक्षिक योग्‍यता न हो। ऐसे लोगों को उम्‍मीदवार बन दिया जाए जिनकी जाति, संप्रदाय और धर्म के इतने वोटर उनके चुनाव क्षेत्र में हों कि चुनाव हारने की कोई गुंजाइश न हो। अधिकतर उम्‍मीदवारों का स्‍वच्छता, पर्वारणण और जन सुविधाओं से कोई नाता न हो। उन पर संजीदा किस्‍म के दर्जनों मुकदमे दायर हो जायें जिनकी लिस्ट जारी की जाए तो उनके क्षेत्र वारिसों को गर्व महसूस हो कि क्या आन, बान और शान वाला उम्‍मीदवार खड़ा किया है। अगर ऐसा व्‍यक्ति

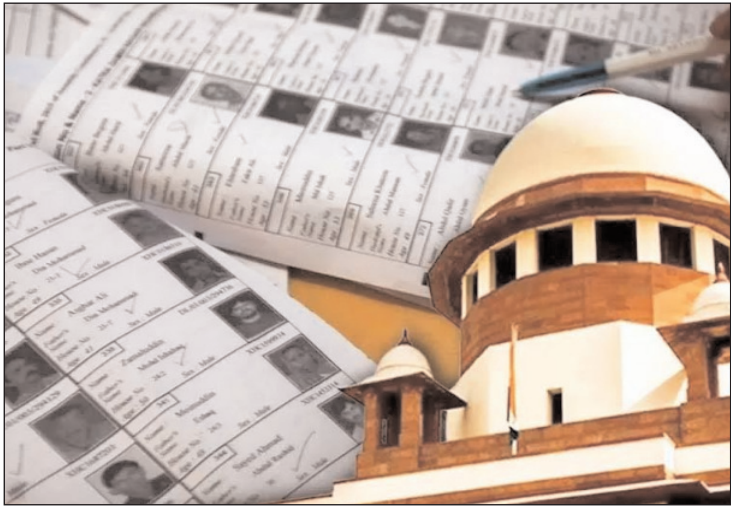
विचार

एसआईआर: लोकतंत्र की शुचिता और विश्वास की कसौटी

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका मतदाता है और मतदाता की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पहचान उसका मताधिकार है। इसलिए मतदाता सूची केवल नामों का प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। जिस व्यक्ति का नाम पात्र होते हुए मतदाता सूची में नहीं है, उसकी लोकतांत्रिक भागीदारी अधूरी रह जाती है और जिस व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी हो, जो स्थानांतरित हो गया हो अथवा जिसका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हो, उसका नाम सूची में बने रहना चुनाव की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करता है। इसी दृष्टि से मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है। लेकिन इसकी सफलता केवल गलत या अप्राप्त नाम हटाने से नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सुरक्षित रखने और छूटे हुए मतदाताओं को वापस जोड़ने से तय होगी। निर्वाचन आयोग ने 2026 में एसआईआर की प्रक्रिया को कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक विस्तारित किया है। आयोग के कार्यक्रम में घर-घर जाकर सत्यापन, ग्राह्ण मतदाता सूची का प्रकाशन, दावे और आपत्तियां लेने तथा अंतिम सूची प्रकाशित करने जैसी प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि 27 मई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में किए गए एसआईआर की वैधानिकता को बरकरार रखा और माना कि निर्वाचन आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत ऐसी प्रक्रिया संचालित करने का अधिकार है। न्यायालय ने यह भी माना कि प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्धता और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की रक्षा से जुड़ा वैध उद्देश्य है।

एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर स्‍वाभाविक रूप से राजनीतिक और सामाजिक बहस पैदा हुई है। लेकिन बेवजह चुनाव आयोग एवं मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर विवाद खड़े किये जाने की स्थितियां विडम्बनापूर्ण हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों की संयुक्त मतदाता सूची में एसआईआर के बाद 10.2 प्रतिशत की कमी हुई और 66,88,636 मृत मतदाताओं के नाम हटाए गए। इसी प्रक्रिया में आपत्तियों और जांच के बाद 63.16 लाख नाम भी हटाए गए। इन आंकड़ों को केवल एक राजनीतिक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। इनमें एक ओर मृत, स्थानांतरित या दोहराए



गए नामों को हटाने की प्रशासनिक आवश्यकता दिखाई देती है, तो दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में नामों में परिवर्तन यह भी बताता है कि मतदाता सूची को नियमित रूप से अद्यतन करते रहना कितना आवश्यक है। यहीं से इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। यदि किसी अप्राप्त व्यक्ति का नाम हटाना लोकतंत्र की शुचिता के लिए जरूरी है, तो किसी पात्र नागरिक का नाम गलती से हट जाना भी उतनी ही गंभीर समस्या है। मतदाता सूची को शुद्ध करने और मतदाता अधिकार को सुरक्षित रखने के बीच संतुलन ही एसआईआर की वास्तविक सफलता है। इस दृष्टि से निर्वाचन आयोग का हालिया विशेष अभियान महत्वपूर्ण है। 2 अक्टूबर 2026 को आयोग ने एसआईआर पूरी कर चुके राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में उन पात्र मतदाताओं को फिर से सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया, जिनके नाम पुनरीक्षण के दौरान छूट गए हों। पहली बार मतदान करने वाले और नए पात्र युवा मतदाताओं के पंजीकरण पर भी जोर दिया गया है।

इस अभियान में बूथ स्‍तर के अधिकारियों को एसआईआर से पहले की मतदाता सूची और वर्तमान सूची का मिलान कर उन लोगों की पहचान करने को कहा गया है जिनके नाम पहले मौजूद थे लेकिन अंतिम सूची में नहीं हैं। इसके बाद घर-घर जाकर सत्यापन और पात्र हुए जाने पर मौके पर ही फॉर्म-6 प्राप्त करने की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक बूथ स्‍तर अधिकारी के लिए प्रति सप्ताह 20 से 25 मतदाताओं के सत्यापन और लगभग एक महीने में अभियान पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। राजनीतिक दलों के बूथ स्‍तर एजेंटों के साथ संबंधित सूचियां साझा करने

का निर्देश भी पारदर्शिता की दृष्टि से उल्लेखनीय है। यही वह बिंदु है जहां मतदाता सूची के पुनरीक्षण को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे ले जाने की आवश्यकता है। विपक्षी दलों ने एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि इससे पात्र नागरिकों के मताधिकार पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर निर्वाचन आयोग का कहना है कि उसका उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्धता सुनिश्चित करना है। इन दोनों पक्षों के बीच अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि पारदर्शी आंकड़ों, दस्तावेजी प्रमाण, आपत्ति और अपील की प्रभावी व्यवस्था तथा स्वतंत्र जांच से निकलना चाहिए। किसी राजनीतिक दल के आरोप को स्‍वतः सत्य मान लेना भी उचित नहीं है और किसी शिकायत को केवल राजनीतिक आरोप कहकर खारिज कर देना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं होगा।

भारतीय लोकतंत्र में निर्वाचन आयोग की संवैधानिक भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखना उसी जिम्मेदारी का अतिवार्थ हिस्सा है। आयोग के डिजिटल पोर्टल पर मतदाता अपना नाम खोज सकते हैं, अंतिम एसआईआर सूची देख सकते हैं, नया पंजीकरण करने के लिए फॉर्म-6 भर सकते हैं, आवेदन की स्थिति देख सकते हैं और शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं। यह व्यवस्था नागरिकों को केवल प्रशासन पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं



अपने मतदाता अधिकार की जांच करने का अवसर देती है। लेकिन केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। भारत की सामाजिक और भौगोलिक विविधता को देखते हुए ऐसे नागरिक भी हैं जिनके पास डिजिटल साधनों की सीमित पहुंच है। गरीब, श्रमिक, प्रवासी, बेघर, वृद्ध, दिव्यांग और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक प्रशासन को स्वयं पहुंचना होगा। आयोग ने विशेष

अभियान के अंतर्गत बूथ स्‍तर के शिविरों तथा रात के आश्रयस्थलों, श्रमिक बस्तियों, बेघर और अन्य वंचित समूहों के लिए विशेष शिविरों का निर्देश भी दिया है। यही दृष्टिकोण मतदाता सूची को केवल कागजी शुद्धता से आगे बढ़ाकर वास्तविक लोकतांत्रिक समावेशन से जोड़ता है। यह भी समझना होगा कि मतदाता सूची में सुधार कोई एक बार होने वाला अभियान नहीं हो सकता।

शहरों में तेजी से बढ़ता प्रवास, गांवों से शहरों की ओर पलायन, विवाह के बाद निवास परिवर्तन, युवाओं का 18 वर्ष की आयु पूरी करना, मृत्यु और एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण लगातार होते रहते हैं। इसलिए आयोग स्वयं मतदाता पंजीकरण को सतत प्रक्रिया मानता है और पात्र नागरिकों के लिए फॉर्म-6 के माध्यम से पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराता है। वास्तविक चुनौती यह है कि पुनरीक्षण के दौरान हटे हुए प्रत्येक नाम के पीछे एक

नागरिक हो सकता है। इसलिए हर हटाए गए नाम को संदेह की दृष्टि से देखना और हर शिकायत को गंभीरता से सुनना आवश्यक है। इसी तरह हर पुराने नाम को केवल इसलिए बनाए रखना भी उचित नहीं होगा कि वह पहले सूची में था। लोकतंत्र में मतदाता सूची का सिद्धांत स्पष्ट होना चाहिए- न पात्र व्यक्ति छूटे और न अपात्र व्यक्ति मतदान व्यवस्था में बना रहे। लोकतंत्र की मजबूती का अर्थ केवल अधिक मतदान प्रतिशत नहीं है। उसका अर्थ यह भी है कि जो पात्र नागरिक मतदान करना चाहता है, उसे मतदाता सूची में स्थान मिले, जो व्यक्ति मतदान के योग्य नहीं है, उसका नाम नियमपूर्वक हटे, शिकायत करने वाले को सुनवाई मिले और अंतिम निर्णय पारदर्शी प्रक्रिया से हो। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बिहार एसआईआर की वैधानिकता को स्वीकार किए जाने का अर्थ भी यही है कि मतदाता सूची की शुद्धता का संवैधानिक महत्व है, साथ ही प्रक्रिया में निधारी सुरक्षा उपायों का पालन आवश्यक है। इसलिए आज आवश्यकता एसआईआर के पक्ष या विपक्ष में खड़े होने से अधिक महत्वपूर्ण उस प्रक्रिया को इतना पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने की है कि किसी पात्र नागरिक को अपने मताधिकार के लिए संघर्ष न करना पड़े।

भारतीय लोकतंत्र की शक्ति चुनाव कारने में ही नहीं, बल्कि हर योग्य नागरिक को चुनाव में भाग लेने का सामान्य अवसर देने में है। मतदाता सूची का शुद्धीकरण लोकतंत्र की सफाई है, लेकिन उस सफाई में कोई निर्दोष नागरिक बाहर न रह जाए, इसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। एसआईआर तभी अपने व्यापक उद्देश्य को पूरा करेगा जब शुद्धता और समावेशन, दोनों साथ चले।

लघुकथा

तीन पुतले

महाराजा चन्द्रगुप्त का दरबार लगा हुआ था। सभी सम्भासद अपनी अपनी जगह पर विराजमान थे। महामन्त्री चाणक्य दरबार की कार्यवाही कर रहे थे। महाराजा चन्द्रगुप्त को खिलौनों का बहुत शौक था। उन्हें हर रोज एक नया खिलौना चाहिए था। आज भी महाराजा के पुतले पर कि क्या नया है, पता चला कि एक सौदागर आया है और कुछ नये खिलौने लाया है। सौदागर का ये दावा है कि महाराज या किसी ने भी आज तक ऐसे खिलौने न कभी देखे हैं और न कभी देखेंगे। सुन कर महाराज ने सौदागर को बुलाने की आज्ञा दी। सौदागर आया और प्रणाम करने के बाद अपनी पिटारी में से तीन पुतले निकाल कर महाराज के सामने रख दिए और कहा कि अन्नदाता ये तीनों पुतले अपने आप में बहुत विशेष हैं। देखने में भले एक जैसे लगते हैं मगर वास्तव में बहुत निराले हैं। पहले पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें हैं, दूसरे का मूल्य एक हजार मोहरें हैं और तीसरे पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है। सम्राट ने तीनों पुतलों को बड़े ध्यान से देखा। देखने में कोई अन्तर नहीं लगा, फिर मूल्य में इतना अन्तर क्यों? इस प्रश्न ने चन्द्रगुप्त को बहुत परेशान कर दिया। हार के उसने सम्भासदों को पुतले दिये और कहा कि इन में क्या अन्तर है मुझे बताओ। सम्भासदों ने तीनों पुतलों को घुमा फिराकर सब तरफ से देखा मगर किसी को भी इस गुथी की सुलझाने का जवाब नहीं मिला। चन्द्रगुप्त ने जब देखा कि सभी चुप हैं तो उस ने वही प्रश्न अपने गुरु और महामन्त्री चाणक्य से पूछा। चाणक्य ने पुतलों को बहुत ध्यान से देखा और दरबान को तीन तिनके लाने की आज्ञा दी। तिनके आने पर चाणक्य ने पहले पुतले के कान में तिनका डाला। सब ने देखा कि तिनका सीधा पेट में चला गया, थोड़ी देर बाद पुतले के हाँठ हिले और फिर बन्द हो गए। अब चाणक्य ने अगला तिनका दूसरे पुतले के कान में डाला। इस बार सब ने देखा कि तिनका दूसरे कान से बाहर आगया और पुतला व्यो का व्यो रहा। ये देख कर सभी की उत्सुकता बढ़ती जा रही थी कि आगे क्या होगा। अब चाणक्य ने तिनका तीसरे पुतले के कान में डाला। सब ने देखा कि तिनका पुतले के मुँह से बाहर आगया है और पुतले का मुँह एक दम खुल गया। पुतला बराबर हिल रहा है जैसे कुछ कहना चाहता हो। चन्द्रगुप्त के पृच्छे पर कि ये सब क्या है और इन पुतलों का मूल्य अलग अलग क्यों है, चाणक्य ने उत्तर दिया। राजन, चरित्रवान सदा सुनी सुनाई बातों को अपने तक ही रखते हैं और उनकी पुष्टि करने के बाद ही अपना मुँह खोलते हैं। यही उनकी महानता है। पहले पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें है। कुछ लोग सदा अपने में ही भग्न रहते हैं। हर बात को अनुसूच कर देते हैं। उन्हें अपनी वाह-वाह की कोई इच्छा नहीं होती। ऐसे लोग कभी किसी को हानि नहीं पहुंचाते। दूसरे पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक हजार मोहरें है। कुछ लोग कान के कच्चे और पेट के हलके होते हैं। कोई भी बात सुनी नहीं कि सारी दुनिया में शोर मचा दिया। इन्हें झूठ सच का कोई ज्ञान नहीं, बस मुँह खोलने से मतलब है। यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है।

कहानी

कड़वी मिठाई

इस्लाम के एक छोटे से शहर में एक अमीर आदमी रहता था। उसका नाम था कादिर। कादिर का इक्कलौता बेटा था अतजल। देखने में सुंदर, पर स्वभाव से आलसी। स्वर्ग की कहानियाँ बहुत अच्छी लगती थीं उसे। वह हर एक से कहानियाँ सुनने का आग्रह किया करता। हरदम कहानियों में खोया रहता था। अतजल ने सुना था-स्वर्ग में सब आराम करते हैं। वहाँ किसी को कोई काम नहीं करना पड़ता। इसके करते ही हर चीज मिल जाती है। वहाँ को खुल भी नहीं जाना पड़ता। फिरसे तब तक काम करते हैं। वह स्वर्ग की तुलना अपने घर से करता तो परेशान हो उठता। यहाँ तो हर समय विलासी रहती है। हर समय उड़-फटकर सुनरी पड़ती है। अतजल सोचता रहा, सोचता रहा। वह चाहता था कि किसी तरह स्वर्ग बना जाए। लेकिन उसे पता था, मनुष्य मरने के बाद ही स्वर्ग जा सकता है। बस, उसने मरने की टान ली। वह घुघराए जाकर बिस्तर पर लेट गया। जो भी उसे उठाने आता, उसके कह दता, मैं तो मर चुका हूँ। और खाना-पीना छोड़ दिया। मैं बहुत दुखी हो रहा हूँ। उसे समझाए, पर वह बोला, मैं, तुम मुझे कैसे बात कर रही हो? मैं तो मर चुका हूँ। उसकी बहकी-बहकी बात सुनकर घरवाले बहुत दुखी हुए। मैं जैसे-तैसे करके उसे कुछ खिलाती, पर अतजल दिन-प्रतिदिन कमजोर होता गया। आखिर अतजल के पिता कादिर जी, तिनके के पास गए। उनका मन बहुत मुहुर था। डॉ. योस ने सारी बात सुनें के बाद कहा, मैं उसका इलाज कर सकता हूँ। पर एक शर्त है। मैं जैसे कहूँगा, वैसा ही करना पड़ेगा। मरता क्या न करता, कादिर ने डॉ. योस की शर्त मान ली। बात बंदे का जीवन बचाने की जो बीबी डॉ. योस कादिर के साथ आ गए। उन्होंने एक मकान के कमरे को सुंदर ढंग से सजाया। पंख पर फूल बिछेर दिए। कई नौकर परिवारों के कुछ लालाकर देवदूत बन गए। कमरे में दीवारों पर लिख दिया गया-स्वर्गलोक। इसके बाद डॉ. योस कादिर के साथ अतजल के कमरे में गए। उन्होंने कहा, अब, यह बचा तो मर चुका है। इसे दफनते वगैरै नहीं। डॉ. योस की बात सुनकर अतजल खुशी से हकनो लगा। उसके कहा, मैं तो अब ये खी कह रहा हूँ। दफनाने के बाद ही तो स्वर्ग जाता है आदमी। झुटमूठ की एक अरथी बनाई गई, फिर उसपर अतजल को लिटाकर सब कब्रिस्तान की ओर ले लेते। इस बीच बेहोशी की दवा सूँघने से अतजल नींद में डूब गया। वह उसे विशिष्ट रूप से सजाए गए कमरे में ले जाया गया। जब अतजल की आँख खुली तो वह हैरानी से वारो और देखने लगा। दीवार पर लिखे शब्द पढ़कर वह बहुत ही खुश हुआ। समझ गया कि मरने के बाद वह सचमुच स्वर्ग में आ गया है। वहाँ न उसके माँ-बाप थे, न ही स्वर्ग में। नील-मोल्दवाली दीवारें दी रहे थे। थोड़ी देर बाद देवदूत की पोशाक में परी जैसे पंख लगाए एक नौकर वहाँ आया। उसने कहा, हाइअतजल, स्वर्ग में तुम्हारा स्वागत है। मैं देवदूत हूँ।" अब तो अतजल को पक्का विश्वास हो गया। उसने कहा, मुझे कुछ लानी है। पलक झपकते ही नौकर बहिया-बहिया खजाने में दवा लाया। अतजल ने देखा। देर सारी मिठाईयाँ थीं। अतजल ने छककर खाया और फिर सो गया। नींद खुलने पर पानी माँगा तो बादाम का शरबत हाँकिए। शरबत पीकर अतजल ने पूछा, किना समय उठा है? देवदूत ने नौकर ने कहा, यह स्वर्गलोक है। वहाँ समय दहर जाता है। न रात होती है, न दिन निकलता है। वस्य ऐसा ही रहता है। वह सुनकर अतजल को अच्छा तो न लगा, फिर भी वह खुश था। सोचा, अब स्वर्ग में दिन आराम से ढेंगे। इस बार नींद से जागा तो उसके कंधा, कुछ चटपटी, नमकीन चीज लगी। नौकर ने बताया, स्वर्ग में हर चीज मीठी होती है। वही मिल सकती है। मिठाई खा-खकर अतजल को जायका बिगड़ गया था। वह नमकीन खाना चाहता था। पानी की जगह मीठा शरबत मिलता। वह पानी पीने को तरस गया। वह झर-झर पानी मगाने लगा। उसे कोई परीस, कई देवदूत नजर आए। पर किसी ने उससे बात नहीं की। डॉ. वहाँ कोई भी चीज मीठा होती है। अतजल उससे बोला। उसे मैं और तिनका तीसरे पुतले के कान में डाला। सब ने देखा कि तिनका पुतले के मुँह से बाहर आगया है और पुतले का मुँह एक दम खुल गया। पुतला बराबर हिल रहा है जैसे कुछ कहना चाहता हो। चन्द्रगुप्त के पृच्छे पर कि ये सब क्या है और इन पुतलों का मूल्य अलग अलग क्यों है, चाणक्य ने उत्तर दिया। राजन, चरित्रवान सदा सुनी सुनाई बातों को अपने तक ही रखते हैं और उनकी पुष्टि करने के बाद ही अपना मुँह खोलते हैं। यही उनकी महानता है। पहले पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें है। कुछ लोग सदा अपने में तो भग्न रहते हैं। हर बात को अनुसूच कर देते हैं। उन्हें अपनी वाह-वाह की कोई इच्छा नहीं होती। ऐसे लोग कभी किसी को हानि नहीं पहुंचाते। दूसरे पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक हजार मोहरें है। कुछ लोग कान के कच्चे और पेट के हलके होते हैं। कोई भी बात सुनी नहीं कि सारी दुनिया में शोर मचा दिया। इन्हें झूठ सच का कोई ज्ञान नहीं, बस मुँह खोलने से मतलब है। यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है।

पशु चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुये 03 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मंगलपुर (कानपुर देहात) चोरी की घटना की रोकथाम व खुलासे को चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, दिनांक 27सितंबर को थाना मंगलपुर पर वादी भूपेन्द्र सिंह पुत्र बृजेन्द्र सिंह, निवासी ग्राम बहेरा, थाना मंगलपुर जनपद कानपुर देहात द्वारा लिखित तहरीर बावत दिनांक 25/26 सितंबर 2026 की रात्रि को उसके घर के बाहर बंधी 03 भैंसों को अभियुक्तगण 1. बसीम पुत्र सलीम उर्फ चिरंटन निवासी ग्राम भंदेमऊ थाना मंगलपुर, जनपद कानपुर देहात 2. बसीम अकरम उर्फ गांठी पुत्र असलम निवासी थाना सिकंदरा, जनपद कानपुर देहात 3.खिल्लन पुत्र अज्ञात निवासी खजुरी थाना डेरापुर, जनपद कानपुर देहात द्वारा चोरी कर ले जाने सम्बन्ध में दी गयी । जिसके आधार पर थाना स्थानीय पर मु०अ०सं0 321/2026 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया था। दौराने



विवेचना अभियुक्तगण 1. गुड्डु उर्फ गुड्डन पुत्र निजामुद्दीन निवासी ग्राम खानपुर थाना कोतवाली औरैया जनपद औरैया, 2. गुड्डन उर्फ इकरार पुत्र स्व० रहीम बक्श निवासी शास्त्रीनगर दिबियापुर, थाना दिबियापुर

जनपद औरैया, 3. काला बच्चा उर्फ नौसाद निजामुद्दीन निवासी ग्राम खानपुर थाना कोतवाली औरैया जनपद औरैया का नाम प्रकाश में आया । थाना मंगलपुर पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त में कार्यवाही करते हुए मुखबिखास को सूचना

पर अभियुक्तगण 1. गुड्डु उर्फ गुड्डन पुत्र निजामुद्दीन निवासी ग्राम खानपुर थाना कोतवाली औरैया जनपद औरैया, 2. गुड्डन उर्फ इकरार पुत्र स्व० रहीम बक्श निवासी शास्त्रीनगर, दिबियापुर थाना दिबियापुर, जनपद औरैया, 3. वसीम पुत्र सलीम उर्फ चिरंटन निवासी ग्राम भंदेमऊ थाना मंगलपुर जनपद कानपुर देहात को थाना मंगलपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम भन्देमऊ जाने वाले तिराहे से दिनांक 02 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण की जामा तलाशी से चोरी की गयीं भैंसों को बेचने से प्राप्त धनराशि २1,05,000/- नगद, 01 देशी तमंचा 315 बोर, 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर व घटना में प्रयुक्त पिकअप बरामद हुआ । गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस व धारा 3/25 आर्स एक्ट की वृद्धि की गयी। शेष अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु टीमों का गठन कर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं । गिरफ्तारशुदा

अभियुक्तों को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है अभियुक्तों ने बताया कि दिनांक 25/26 सितंबर की रात्रि में हम तीनों लोगों ने ग्राम बहेरा से अपने साथी काला बच्चा उर्फ नौशाद के साथ मिलकर तीन भैंसें चोरी की थीं, जिन्हें हम लोगों ने अपनी पिकअप गाड़ी में लादकर दलाल की बेच दिया था। जो रुपए मिले थे हम चारों लोगों ने बराबर बांट लिये थे। काला बच्चा उर्फ नौशाद अपने हिस्से के रुपए लेकर चला गया था। आज हम लोग वसीम को छोड़ने उसके घर जा रहे थे कि आप लोगों ने हमें पकड़ लिया। जो रुपए हम तीनों से बरामद हुए हैं, वह चोरी की भैंसों को बेचने से प्राप्त शेष रुपये हैं, कुछ रुपए खाने-पीने व पिकअप में डीजल डलवाने में खर्च हो गये हैं। अभियुक्त वसीम से बरामद अवैध तमंचा कारतूस के सम्बन्ध में बताया गया कि यह तमंचा व कारतूस हम लोग डराने व धमकाने के लिये अपने पास रखते हैं।

पंचायत सरकार भवनों को पूरी तरह क्रियाशील रखें : डीएम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

पटना : जिला अंतर्गत चल रहे विकासात्मक एवं कल्याणकारी व योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को अपने कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ समयपर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले के सभी पंचायत सरकार भवन पूरी तरह क्रियाशील रहें तथा वहां निर्धारित कर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। पंचायत सरकार भवनों के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि पंचायत सरकार भवनों पर कारंरत कर्मियों के वेतन का भुगतान बायोमेट्रिक उपस्थिति के आधार पर ही किया जाए। किसी पंचायत सरकार भवन के बंद अथवा गैर-क्रियाशील पाए जाने पर संबंधित प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी पर कारंवाई की जाएगी। सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को पंचायत सरकार भवनों के संचालन का नियमित अवश्रवण करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने जिले में औद्योगिक इकायों एवं बड़ी परियोजनाओं की स्थापना के लिए पर्याप्त भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष



जोर दिया। सभी अंचल अधिकारियों एवं अनुमंडल पदाधिकारियों को उपयुक्त सरकारी भूमि की पहचान कर लैंड बैंक तैयार करने का निर्देश दिया गया, ताकि बड़ी परियोजनाओं में आवश्यकता के अनुरूप औद्योगिक एवं अन्य विकास परियोजनाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने संबंधित विभागों को उद्योग एवं विभिन्न उद्यमों से संबंधित आवेदनों, अनापत्ति प्रमाण-पत्र, क्लीयरेंस एवं लाइसेंस से जुड़े मामलों का सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समयय निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। इससे जिले में औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलने के साथ रोजगार सृजन एवं आर्थिक विकास के अवसरों का विस्तार होगा। बैठक में ह्रसेवा संकल्प एवं कायाकल्पह्न अभियान की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य केंद्रों, पंचायत भवनों एवं अन्य चयनित

सरकारी भवनों एवं स्क्रीमों में आवश्यक सुधार एवं विकासात्मक कार्यों की प्राथमिकता के आधार पर सूची तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भवन में उपलब्ध आधारभूत संरचना एवं आवश्यक सुविधाओं की कमियों को चिह्नित कर उनके निराकरण की कारंवाई सुनिश्चित की जाए। विद्यालयों पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने कहा कि विद्यालयों के वास्तविक आवश्यकताओं एवं समस्याओं की पहचान मीना मंच एवं बाल संसद के माध्यम से भी की जाए, ताकि उनकी वास्तविक जरूरतों के अनुरूप सुधारात्मक कार्य किए जा सकें। जिलाधिकारी ने अस्पतालों में चिकित्सकों की समयय उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सखिल सर्जन को आवश्यक कारंवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी अस्पतालों में डिजिटल डिस्पले लगाने को कहा, जिस पर जिनकी ड्यूटी हो उन

चिकित्सक का नाम एवं मोबाइल नंबर प्रदर्शित हो, ताकि मरीजों एवं उनके परिजनों को सुविधा हो सके। साथ ही अस्पतालों में उपलब्ध विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सेवाओं की जानकारी भी प्रमुख स्थानों पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया। वहीं, बैठक में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम विभिन्न न्यायालयीय मामलों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को सभी मामलों का समयय, गुणवत्तापूर्ण एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। विभिन्न विकास एवं आधारभूत संरचना परियोजनाओं के लिए किए जा रहे भू-अर्जन की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन भू-स्वामियों को अर्जित भूमि का मुआवजा अब तक प्राप्त नहीं हुआ है, उनके लिए विशेष कैप अभोजित कर भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन भूमि का भू-अर्जन पूर्ण हो चुका है, उनका दाखिल-खारिज तत्काल सुनिश्चित किया जाए, ताकि परियोजनाओं से संबंधित आगे की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो। बैठक में उप विकास आयुक्त शुभम कुमार सहित विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।



मोर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर (कानपुर देहात) सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत राजपुर नगर पंचायत के कन्हैया नगर वार्ड में नगर पंचायत द्वारा आयोजित नुक्कड़ नाटक जिसमें सरकारी की जनकल्याणकारी योजनाएँ को नाटक के माध्यम में आम जनमानस को बताया गया और टोली को फूल मालाओं एवं अंग वस्त्र पहनकर उन्हें सम्मानित किया गया।

समाज के अंतिम पायदान पर खड़े हर परिवार तक योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना और उनके चेहरों पर मुस्कान लाना ही हमारा सर्वोच्च संकल्प है। आपके इसी विश्वास और स्नेह के साथ सेवा का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुख्य अतिथि अरविंद कटेरिया पूर्व,जिला अध्यक्ष वंश लाल कटियार ,जिला मंत्री क्रांतिवीर सिंह जी एवं विधान सभा के संयोजक सिकंदरा,फूल चंद कटेरिया,सभासद अजय शुक्ला,अखिलेश सिंह किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष,मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह जी, नेत्र पाल सिंह,जमीपाल सिंह पूर्व जिला महामंत्री,बाबू जी किसान मोर्चा पूर्व जिला उपाध्यक्ष,राम केश पाल बूथ अध्यक्ष, छोटे सिंह मंडल उपाध्यक्ष मीना देवी महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष/नामित सभासद नगर पंचायत अधिशाषी अधिकारी नीति त्रिपाठी,वरिष्ठ लिपिक राजेश बाँधम आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे '

दुगार्पूजा में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को लेकर ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

पटना : दुगार्पूजा के अवसर पर राज्य में निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऊर्जा सचिव एवं अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड अजय यादव की अध्यक्षता में बिहार के सभी विद्युत अंचल के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार तथा साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सौरभ जोरवाल सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में दुगार्पूजा एवं मेला क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की तैयारियों, विद्युत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण एवं अनुरक्षण, सुरक्षा व्यवस्था तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित कारंवाई के लिए की गई तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान ऊर्जा सचिव

अजय यादव ने विद्युत सुरक्षा से संबंधित मानक संचालन प्रक्रिया का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पूजा पंडालों एवं मेला क्षेत्रों के आसपास विद्युत लाइनों में लगे जर्जर तारों को समय रहते बदलने की कारंवाई पूरी कर ली जाए। साथ ही, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों तथा पूजा पंडालों के ऊपर से गुजरने वाली 11 केवी बेयर कंडक्टर लाइनों में आवश्यकतानुसार सुरक्षा की दृष्टि से कवर्ड कंडक्टर लगाने अथवा गार्ड वायर की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने मेला क्षेत्रों में भीड़ वाले स्थानों पर स्थापित लोहे के विद्युत पोलों से स्पर्शाघात की संभावना को रोकने के लिए डाइइलेक्ट्रिक पेंट अथवा पॉलीथीन शीट लगाने तथा एलटी के नीचे तारों को एबी केबल में परिवर्तित करने का भी निर्देश दिया। ऊर्जा सचिव ने पूजा पंडालों एवं मेला क्षेत्रों को विद्युत आपूर्ति करने वाले भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर स्थित वितरण ट्रांसफार्मरों की फेसिंग का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर

शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी विद्युत सर्किलों के अधिकारियों को जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए मेला क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था की सतत निगरानी हेतु सभी फ्यूज कॉल सेंटर को अलर्ट मोड पर सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने दुगार्पूजा के दौरान विद्युत आपूर्ति की प्रभावी निगरानी एवं आपातकालीन स्थिति में त्वरित कारंवाई के लिए मुख्यालय स्तर पर 247 नियंत्रण कक्ष स्थापित करने तथा प्रमंडल स्तर पर पर्याप्त संख्या में पदाधिकारियों एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भी सुरक्षित एवं यथासंभव विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कारंवाई करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान क्षेत्रीय पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि दुगार्पूजा के अवसर पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विद्युत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण एवं अनुरक्षण का कार्य प्रगति पर है।

मोर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर (कानपुर देहात) थाना राजपुर क्षेत्र में शनिवार को मार दी। टक्कर के बाद बाइक सड़क किनारे खंडी में जा गिरी, जबकि दंपति डंपर के नीचे आ गए। चालक दोनों को करीब 20 मीटर तक घसीटता ले गया। हादसे में महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद ग्रामीणों के शोर मचाने पर चालक डंपर छोड़कर मौके से फरार हो गए।

रूरा थाना क्षेत्र के इंदरूख गांव निवासी वेद प्रकाश शनिवार को अपनी पत्नी सरोज कुमारी (40) वर्ष के साथ बाइक से भोगनीपुर थाना क्षेत्र के कल्ला गांव जा रहे थे। वेद प्रकाश की बुआ का निधन हुआ था। दंपति उनकी मिट्टी में शामिल होने के लिए जा रहा था। जैसे ही दोनों राजपुर थाना क्षेत्र के जल्लापुर-सिकंदरा सुपल रोड पर कुंवरपुर जाने वाले मार्ग के समीप पहुंचे, पीछे से आए तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि



बाइक सड़क किनारे खंडी में जा गिरी और दंपति डंपर के नीचे आ गए। चालक ने वाहन नहीं रोका और दोनों को करीब 20 मीटर तक घसीटता ले गया। सरोज कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वेद प्रकाश घायल हो गए। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाकर डंपर पर रुकवाने का प्रयास किया। इसके बाद चालक वाहन छोड़कर भाग निकला। ग्रामीणों ने किसी तरह डंपर के नीचे से घायल वेद प्रकाश

को बाहर निकाला।

हादसे की सूचना पर राजपुर और सड़ी पुलिस मौके पर पहुंची। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश रहा। ग्रामीणों ने बालू डंप संचालकों और डंपर चालकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जल्दी-जल्दी चक्कर लगाने के चक्कर में डंपर तेज रफ्तार से दौड़ाए जाते हैं। कुंवरपुर जाने वाली सड़क पर बालू फैली रहने से भी राहगीरों को परेशानी होती है। वाहनों के गुजरने पर धूल उड़ने से स्कूली बच्चों और राहगीरों को परेशानी हो जाती है। हादसे के बाद मौके पर हंगामे की स्थिति बन गई। सड़ी थानाध्यक्ष की सूझबूझ से लोगों को समझाकर जाम की स्थिति नहीं बनने दी गई। पुलिस ने परिजनों को समझाकर महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राजपुर थानाध्यक्ष संजेश कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज गया है। डंपर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कारंवायों की जाएगी।

जनपद में अवैध आतिशबाजी के भंडारण एवं विक्रय आदि की सूचना/शिकायत हेतु कानपुर देहात पुलिस का CUG नंबर जारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता



माती (कानपुर देहात) जनपद की आम जनता की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए कानपुर देहात पुलिस द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। जनपदवासियों को सुचित किया जाता है कि अवैध आतिशबाजी (पटाखों) के निर्माण, भंडारण अथवा बिंदी से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना या शिकायत दर्ज कराने हेतु हेल्पलाइन नंबर 9454418416 जारी किया गया है। कोई भी नागरिक इस नंबर पर किसी भी समय अवैध पटाखों से सम्बंधित जानकारी दे सकता है। अतः यदि आपको अपने

आसपास अवैध रूप से पटाखों के भंडारण या बिंदी की जानकारी मिलती है तो तत्काल इस नंबर पर सूचित करें जिससे अग्रिम कानूनी व सुरक्षात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन '

मोर्निंग सिटी संवाददाता

सिकंदरा (कानपुर देहात) शनिवार को जिलाधिकारी कपिल सिंह एवं पुलिस अधीक्षक महोदया जनपद कानपुर देहात श्रद्धा नरेंद्र पाण्डेय द्वारा तहसील



आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर अपनी शिकायत लेकर आये फरियारियों/पीडितों की समस्याओं को सुना गया। जिलाधिकारी महोदय एवं पुलिस अधीक्षक ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का शत-प्रतिशत निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए संबंधित अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर कार्यवाही करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। साथ ही, भूमि से संबंधित सभी प्रकरणों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा एक साथ समर्पित कार्यवाही करने के निर्देश जारी किए गए, ताकि फरियारियों को विभिन्न विभागों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा प्रकरणों का त्वरित, पारदर्शी एवं न्यायपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित हो सके। अपर पुलिस अधीक्षक आलोक प्रसाद द्वारा तहसील डेरापुर एवं समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा अपने-अपने सर्किल की तहसीलों में आयोजित समाधान दिवस में उपस्थित रहकर समस्याओं को सुना गया।

सफाई न होने से ग्रामीणों मे भारी आक्रोश, बीमारियां फैलने का खतरा '

मोर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर (कानपुर देहात) महीनों से सफाई न होने से गाँव के मुख्य मार्ग में जमा दूषित पानी व कीचड़, सफाई कमी ना आने से ग्रामीणों में फूट गुस्सा ' विकास खंड राजपुर



क्षेत्र के छेलापुर गाँव में पिछले कई महीनों से मुख्य मार्ग में दूषित जलभराव होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ' आयेदिन लोग बीमार होकर सरकारी और प्राइवेट अस्पतालो का सहारा लेकर इलाज कराव रहे है ' तस्वीरो मे आप साफ तौर पर देख सकते है किस तरह मुख्य मार्ग मे महीनों से भरा दूषित पानी लोगों के लिए जानलेवा बन रहा है ' दूषित पानी की निकासी व जमा गंदगी की सफाई न होने से कीड़े व मच्छर पनप रहे है ' जिससे गाँव मे बीमारियां फैलने का खतरा मंडरा रहा है ' ' ग्रामीणों केशकली,इंद्रपाल,रामअवतार , दशरथ सिंह,मुकेश,राजू, आदि ने आरोप लगाते हुए कहा कि सफाई कमी गाँव मे बहुत कम आता है इसके बाबजूद टाल मटोल करके बिना सफाई किये चला जाता है ' कुछ रास्ते तो मिट्टी से ढके पड़े है पता ही नहीं चलता कि रास्ता पक्का है या कच्चा ' वहीं ग्रामीणों ने इस समस्या से निजात पाने के लिए अधिकारियो से गुहार लगाई है '

भोगनीपुर विधानसभा से हजारों कार्यकर्ता पहुंचेंगे माती जिला मुख्यालय '

मोर्निंग सिटी संवाददाता

पुखरायां (कानपुर देहात) समाजवादी पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर 4 अक्टूबर रविवार को प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर पुखरायां में जिलाध्यक्ष अरुण यादव(बबलू राजा) व वरिष्ठ सपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक विधानसभा अध्यक्ष राघव अग्निहोत्री के नेतृत्व में आयोजित हुई। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं से 4 अक्टूबर रविवार को सुबह 11 बजे माती जिला मुख्यालय पहुंचने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जिला मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपने तथा अन्य निर्धारित कार्यक्रमों में सहभागिता की जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष राघव अग्निहोत्री ने कहा कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने भोगीपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में माती पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में इस मौके पर जुनेद पहलवान, काशिक खान, अमित यादव, रामकेश यादव, विजय सिंह, अरविन्द यादव के अलावा दर्जनों सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे '

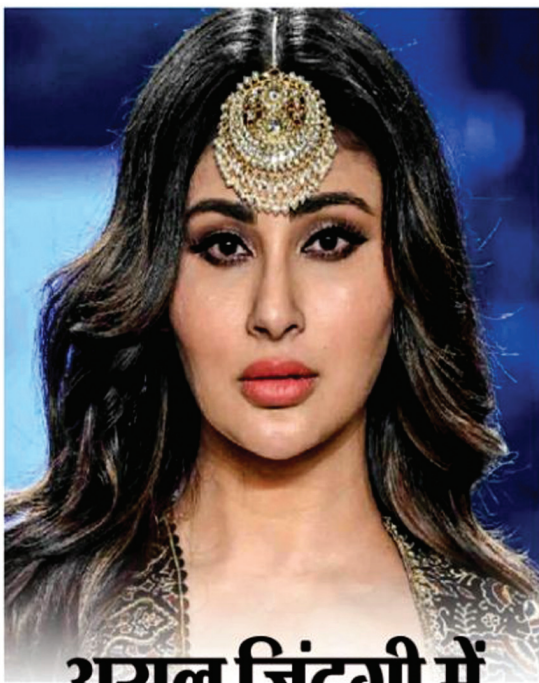


आयोजित हुई। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं से 4 अक्टूबर रविवार को सुबह 11 बजे माती जिला मुख्यालय पहुंचने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जिला मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपने तथा अन्य निर्धारित कार्यक्रमों में सहभागिता की जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष राघव अग्निहोत्री ने कहा कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने भोगीपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में माती पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में इस मौके पर जुनेद पहलवान, काशिक खान, अमित यादव, रामकेश यादव, विजय सिंह, अरविन्द यादव के अलावा दर्जनों सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे '

नव सृजन का मानवता संदेश : 200 जरूरतमंदों में कपड़ा एवं खाद्य सामग्री का वितरण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

पटना : गांधी जयंती के पावन अवसर पर नव सृजन सर्वो्गीण विकास संस्थान द्वारा "पुराने कपड़ों का विशाल वितरण अभियान" के तहत 200 जरूरतमंदों के बीच कपड़ा एवं खाद्य पदार्थों का वितरण किया गया। कार्यक्रम की सबसे सुखद तस्वीर यह रही कि संस्था के सदस्यों के साथ-साथ छोटे-छोटे बच्चों ने भी अपने कपड़े, जूते-चप्पल, स्कूल बैग एवं अन्य सामान वितरण के लिए दिए। अभिभावकों ने पैकिंग कार्य में बढ़-चढ़कर सहयोग किया। बच्चों में सेवा की यह भावना देखकर सभी का मन प्रसन्न हो उठा। यह साबित करता है कि सामाजिक कार्य हर किसी को करना चाहिए। जो जहां है, वहीं अपनी क्षमता अनुसार जरूरतमंद और मजदूर लोगों की मदद करे। कार्यक्रम में संस्था की सचिव पूजा ऋतुराज, मुख्य अतिथि रवीन्द्र रंजन (सह क्षेत्रीय प्रभारी, भाजपा), मेधेश्वर सिंह, मगही फिल्म के डायरेक्टर व दस्तक अभात अखबार के संपादक प्रभात वर्मा, वरिष्ठ समाज सेवी मो. आसिफ, समाजसेवी नीरू शर्मा, रीन्या शंकर, महिमा शंकर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने संस्था की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और दूसरों की भी सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। संस्था की सचिव पूजा ऋतुराज ने कहा, "किसी जरूरतमंद के काम आना ही सच्ची मानव सेवा है। गांधी के आदर्शों पर चलते हुए हमें समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। आज बच्चों ने जो भावना दिखाई है, वही हमारे उज्ज्वल भविष्य की नींव है। मैं सभी से आग्रह करती हूँ कि अपने पुराने लेकिन उपयोगी सामान को फेंकने के बजाय जरूरतमंदों को दान करें। आपका छोटा सहयोग किसी के जीवन में बड़ी खुशी ला सकता है।



असल जिंदगी में सांपों से बेहद डरती हैं मौनी रॉय

बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय टेलीविजन से बॉलीवुड तक का लंबा सफर ने तय किया है। छोटे परदे के 'नागिन' धारावाहिक में निभाया गया उनका किरदार उनके करियर की सबसे चर्चित भूमिकाओं में शामिल रहा। इस किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। हालांकि, पर्दे पर सांपों से जुड़ा किरदार निभाने वाली मौनी रॉय ने हाल ही में अपने बारे में एक दिलचस्प बात बताई है। उन्होंने खुलासा किया कि वह असल जिंदगी में सांपों से बेहद डरती हैं। मौनी ने यह बात फराह खान के यूट्यूब ब्लॉग में बातचीत के दौरान बताई। फराह खान अपने कुक दिलीप के साथ मौनी रॉय के नए घर पहुंची थीं। बातचीत के दौरान जब सांपों और 'नागिन' धारावाहिक का जिक्र आया तो मौनी ने बताया कि बचपन से ही उन्हें सांपों से डर लगता है। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि 'नागिन' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री को सांप पसंद होंगे, लेकिन उनके मामले में स्थिति बिल्कुल अलग है। मौनी ने अपने धारावाहिक के दिनों को याद करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान उन्हें वास्तविक सांपों के साथ काम नहीं करना पड़ता था। ऐसे दुश्मनों के लिए वीएफएक्स और डमी सांपों का इस्तेमाल किया जाता था। इसके बावजूद अगर सेट पर सांप जैसा कुछ भी दिखाई देता था तो वह घबरा जाती थीं। उन्होंने बताया कि सेट पर मौजूद लोग भी इस बात को लेकर उन्हें मजाक में चिढ़ाते थे कि वह खुद नागिन का किरदार निभा रही हैं और सांप से ही डरती हैं। 128 सितंबर 1985 को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में जन्मी मौनी ने टेलीविजन पर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। उन्हें वर्ष 2007 में 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से बड़ा अवसर मिला, जिसमें उन्होंने कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया। इसके बाद 'कस्तूरी' और 'देवों के देव... महादेव' जैसे धारावाहिकों में नजर आईं। 'महादेव' में सती की भूमिका ने उनकी लोकप्रियता बढ़ाई। हालांकि, वर्ष 2015 में 'नागिन' से उन्हें बड़ी पहचान मिली। उन्होंने शिवन्या और शिवांगी की भूमिकाओं के जरिए दर्शकों का ध्यान खींचा।

नुसरत भरुचा बाली में हुई हादसे का शिकार, अस्पताल में भर्ती



बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरुचा को लेकर एक चिंताजनक खबर सामने आई है। इंडोनेशियन द्वीप बाली में एक वर्क कमिटमेंट के सिलसिले में गई अभिनेत्री वहां एक दुर्घटना का शिकार हो गई हैं। दुर्घटना के बाद उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। खबरों के अनुसार नुसरत अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट के सिलसिले में बाली गई थीं और काम खत्म होने के बाद उन्होंने वहां अपना स्टे कुछ दिनों के लिए बढ़ा लिया था। इसी दौरान वे हादसे का शिकार हो गईं। अभी तक इस बात की जानकारी ठीक-ठीक नहीं लग पाई है कि उनका चोट कितना गंभीर है और किस तरह का हादसा उनके साथ हुआ है। इस खबर के सामने आते ही नुसरत के फैंस और बॉलीवुड सितारों ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना शुरू कर दी है। एक तरफ जहां नुसरत के प्रशंसक उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी पेशेवर जिंदगी से एक बड़ी और उत्साहजनक खबर भी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नुसरत भरुचा ने बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ की आगामी ब्लॉकबस्टर फिल्म साइन कर ली है। नुसरत भरुचा बॉलीवुड की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और अभिनय के बल पर सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई है। 'प्यार का पंचनामा', 'सोनू के टोटू की स्विटी' और 'छोरी' जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाली नुसरत को हाल ही में कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म 'ऊफ ये सियापा' में अभिनेता सोहम शाह के साथ देखा गया था।



बॉलीवुड के गानों ने दिखाया अभिनेत्री बनने का सपना: शरवरी वाघ

अपने अभिनय करियर की शुरुआत अभिनेत्री शरवरी वाघ ने पर्दे के सामने आने से पहले सहायक निर्देशक के तौर पर की थी। शरवरी वाघ अब रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री शरवरी ने अपने अभिनय के सफर और बॉलीवुड से अपने पुराने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की। शरवरी ने बताया कि बॉलीवुड के गाने, संगीत और नृत्य ने बचपन से ही उनके भीतर अभिनेत्री बनने का सपना पैदा किया था। शरवरी के मुताबिक, वह बचपन से बॉलीवुड के लोकप्रिय गीतों और उनमें नजर आने वाले कलाकारों से प्रभावित रही हैं। उन्होंने माधुरी दीक्षित को 'दीदी तेरा देवर दीवाना' और करिश्मा कपूर तथा सोनाली बेंदे को 'मेय्या यशोदा' जैसे लोकप्रिय गीतों में देखा था। इन गानों को देखते हुए वह घर पर खुद भी उनके स्टेप करने की कोशिश करती थीं। शरवरी ने बताया कि वह कई बार खुद को कल्पना में उन अभिनेत्रियों की जगह रखती थीं और सोचती थीं कि एक दिन वह भी बड़े पर्दे पर इसी तरह दिखाई देंगी। अभिनेत्री का कहना है कि बचपन के यही

अनुभव धीरे-धीरे बॉलीवुड के प्रति उनके लगाव की वजह बने। उनके लिए फिल्मों की दुनिया सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रही, बल्कि संगीत, नृत्य, रोमांस और भावनाओं से जुड़ा एक ऐसा अनुभव रही, जिसने उन्हें लगातार आकर्षित किया। शरवरी ने कहा कि क्लासिक बॉलीवुड गीतों में कहानी को गाने और नृत्य के माध्यम से आगे बढ़ाने का अंदाज उन्हें हमेशा पसंद रहा है। 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर भी शरवरी काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि सूरज बड़जात्या की फिल्म के साथ उस तरह के पारंपरिक बॉलीवुड को जीने का अवसर मिला उनको लिए खास अनुभव है, जिसे देखते हुए वह बड़ी हुई हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, फिल्म के जरिए उन्हें उस दौर की भावनाओं और रोमांस को पर्दे पर महसूस करने का मौका मिल रहा है, जिसके प्रति वह बचपन से आकर्षित रही हैं। फिल्म का शीर्षक गीत हाल ही में जारी किया गया है, जिसमें कहानी और कलाकारों की हल्की झलक देखने को मिली है। फिल्म में शरवरी पहली बार आयुष्मान खुराना के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

विद्या बालन और पति सिद्धार्थ रॉय कपूर की केमिस्ट्री की हो रही खूब तारीफ



मां बनने से नहीं है परहेज; रिलेशनशिप पर श्रुति हसन ने की बात

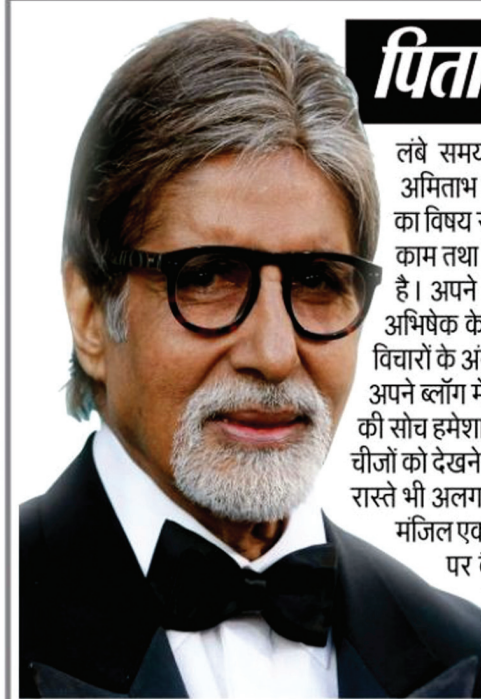
अभिनेत्री श्रुति हासन अपने निजी जीवन को फैंस से दूर ही रखती हैं। उनकी दोस्ती या डेटिंग को लेकर ज्यादा खबरें फैंस को नहीं मिलती। मगर हाल ही में सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर एट्रेस ने अपनी शादी के बारे में कई बातें कही। शादी पर क्या बोली श्रुति हासन? बीते दिनों श्रुति हासन सोहा अली खान के पॉडकास्ट के पॉडकास्ट में मेहमान बनकर पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने अपनी शादी पर बात करते हुए कहा, 'मुझे साथ बहुत पसंद है। लेकिन मैंने अपना पूरा जीवन इस तरह से जिया है कि मैं किसी सांघे में फिट नहीं बैठती। अजीब बात है कि मैं कुछ मामलों में बहुत पारंपरिक हूँ और कुछ अन्य मामलों में मेरा दृष्टिकोण काफी रूढ़िवादी है, लेकिन ऐसा इसलिए है

योंकि किसी ने मुझे इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए मजबूर नहीं किया। मां बनना चाहती है एट्रेस आगे बातचीत के दौरान श्रुति हासन ने कहा, 'मुझे इस बात की खुशी है कि मैं और मेरा पार्टनर हर दिन एक-दूसरे को चुनते हैं, लेकिन कागजी कार्रवाई की वजह से नहीं। यही मेरा डर है। वरना, और कुछ नहीं। मैं शादी के बहुत करीब आ गई थी, और जब बात शादी तक पहुंची तो मुझे उतना डर नहीं लगा। मैं ज्यादा खर्च करने वालों को शर्मिंदा नहीं कर रही, लेकिन यह बात मुझे हमेशा परेशान करती है। दान में दे दो, मैं गोद लेने के लिए तैयार हूँ, मैं सच में सिर्फ मां बनना चाहती हूँ, लेकिन मैं इसे अपने जैविक स्वरूप के विस्तार के रूप में भी आजमाना चाहूँगी।'

श्रुति हासन का वर्कफ्रंट साल 2025 में श्रुति हासन को आखिरी बार फिल्म 'कुली' में देखा गया था। एट्रेस विजय सेतुपति के साथ 'ट्रेन' में अभिनय करती नजर आएंगी। यह फिल्म 2026 के अंत में रिलीज हो सकती है। वहीं दुलकर सलमान के साथ 'आकाशमलो ओका तारा' भी उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट का हिस्सा है। एएसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' के एक गाने में श्रुति ने अपनी आवाज भी दी है।



हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन और उनके पति सिद्धार्थ रॉय कपूर का एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा है। एयरपोर्ट के इस वीडियो में सिद्धार्थ अपनी पत्नी विद्या को सी-ऑफ करने पहुंचे थे, जहां टर्मिनल के बाहर कपल ने पैपराजी के लिए मुस्कुराते हुए पोज दिए और फिर एक-दूसरे को गले लगाकर और किस करके विदा ली। उनका यह रोमांटिक अंदाज अब फैंस के बीच खूब चर्चा में है। यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया, और फैंस ने इस प्यारे पल पर जमकर प्रतिक्रियाएं दीं। सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में इस कपल की केमिस्ट्री की खूब तारीफ की। कई फैंस ने उन्हें बेस्ट बॉलीवुड कपल और अडोरेबल बताया, वहीं कुछ ने उनसे गुजरांश की कि वे साथ में अक्सर पब्लिक में दिखा करें क्योंकि वे एक-दूसरे के साथ बहुत अच्छे लगते हैं। फैंस की खुशी इस बात से भी जाहिर हो रही थी कि आमतौर पर मीडिया की चकाचौंध से दूर रहने वाले इस कपल का यह अनसनी रोमांटिक पल उनके लिए एक खास ट्रीट था। विद्या बालन और सिद्धार्थ रॉय कपूर की शादी 14 दिसंबर 2012 को मुंबई में हुई थी। शादी से पहले दोनों ने कुछ साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। विद्या ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि फिल्ममेकर करण जोहर ने उनकी मुलाकात कराने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बाद एक पार्टी में दोनों की मुलाकात हुई और उनका रिश्ता आगे बढ़ा। यह कपल अपनी शादीशुदा जिंदगी को काफी निजी रखना पसंद करता है, इसलिए यह सार्वजनिक प्रदर्शन उनके प्रशंसकों के लिए और भी खास बन गया। सिद्धार्थ रॉय कपूर फिल्म प्रोड्यूसर और मीडिया इंडस्ट्री के जाने-माने नाम हैं। वह रॉय कपूर फिल्म के कार्टूडर और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, और इससे पहले वह वॉट्स डिज्नी कंपनी इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर भी रह चुके हैं। उनकी प्रोडक्शन कंपनी ने पिप्पा, तुमसे ना हो पाएगा, आरण्यक और रॉकेट बॉयज जैसे सफल प्रोजेक्ट दिए हैं। इसके अलावा, वह दंगल, चेन्नई एक्सप्रेस, बर्फी!, काई पो चे! और हैदर जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों के प्रोडक्शन से भी जुड़े रहे हैं।



पिता और पुत्र की सोच हमेशा एक जैसी हो, यह जरूरी नहीं: अमिताभ

लंबे समय से बेटे अभिषेक बच्चन से उनके पिता अमिताभ बच्चन का रिश्ता प्रशंसकों की दिलचस्पी का विषय रहा है। कई मौकों पर दोनों ने एक-दूसरे के काम तथा विचारों को लेकर अपनी राय भी साझा की है। अपने ब्लॉग के जरिए अब अमिताभ बच्चन ने अभिषेक के साथ अपने रिश्ते और दो पीढ़ियों के बीच विचारों के अंतर को लेकर कुछ बातें लिखी हैं। अपने ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने कहा कि पिता और पुत्र की सोच हमेशा एक जैसी हो, यह जरूरी नहीं है। दोनों का चीजों को देखने का नजरिया अलग हो सकता है और उनके रास्ते भी अलग हो सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी मजिल एक हो सकती है। उन्होंने लिखा कि एक ही मंच पर बैठे पिता और पुत्र के विचार भले ही अलग हों, लेकिन अंतिम उद्देश्य एक हो सकता है। अमिताभ बच्चन ने नई पीढ़ी के प्रति अपने सम्मान की बात भी कही। उन्होंने कहा कि

विचार और रास्ते अलग होने के बावजूद मजिल एक हो सकती है। उनके अनुसार, हर रास्ते का उद्देश्य ऐसी मजिल तक पहुंचना होना चाहिए, जो सभी के लिए बेहतर और लाभकारी हो। उन्होंने अपने और अभिषेक के रिश्ते को एक-दूसरे को समझने, जानने और समय के साथ एक-दूसरे को खोजने की प्रक्रिया के रूप में भी बताया। महानायक ने अपने संदेश में प्यार और सम्मान को रिश्ते का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उनकी इस टिप्पणी को पिता-पुत्र के संबंधों के व्यापक संदर्भ में भी देखा जा रहा है, जहां दो अलग पीढ़ियों की सोच के बावजूद पारिवारिक जुड़ाव कायम रहता है। अमिताभ के अनुसार, मतभेद रिश्ते की मजबूती में बाधा जरूरी नहीं है, बल्कि एक-दूसरे को समझने का अवसर भी बन सकते हैं। अमिताभ बच्चन फिलहाल लोकप्रिय टेलीविजन किंग शो 'कौन बनेगा करोड़पति' की मेजबानी कर रहे हैं। यह कार्यक्रम ब्रिटिश प्रारूप 'हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर?' का आधिकारिक



हिंदी रूपांतरण है। शो में प्रतियोगियों से सामान्य ज्ञान और विभिन्न विषयों से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। उन्हें प्रत्येक प्रश्न के लिए चार विकल्प दिए जाते हैं और आवश्यकता पड़ने पर लाइफलाइन का इस्तेमाल करने का अवसर भी मिलता है।

जय माता दी होटल के पास से चोरी हुआ ऑटो, दो आरोपी गिरफ्तार; बेचने ले जा रहे थे, पुलिस ने दबोचा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। जगदीशपुरा थाना क्षेत्र में चोरी हुए ऑटो के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का ऑटो भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी चोरी किए गए ऑटो को बेचने के लिए ले जा रहे थे। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों की मदद से पुलिस आरोपियों तक पहुंची। पुलिस के मुताबिक, ऑटो चालक ने एक अक्टूबर को थाना जगदीशपुरा में तहरीर दी थी। उसने बताया कि 28 सितंबर की रात वह अपना ऑटो लेकर जय माता दी होटल के पास गया था। ऑटो खड़ा करने के बाद वह कुछ देर के लिए वहां से चला गया। वापस लौटने पर ऑटो मौके से गायब था। काफी तलाश के बाद भी ऑटो का पता नहीं चला। ऑटो चोरी की घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी और ऑटो की बरामदगी के लिए टीम गठित की। टीम ने घटनास्थल



और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के अनुसार, फुटेज और जांच से मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। दो अक्टूबर को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पथौली-बिचपुरी नहर के रास्ते से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान मीनू और खलील के रूप में हुई। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का ऑटो बरामद किया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बरामद ऑटो को बिचपुरी-बोदला रोड स्थित जेएमएस मैरिज होम के

पास से चोरी करने की बात बताई। पुलिस का कहना है कि आरोपी ऑटो को बेचने के लिए ले जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में मीनू पुत्र सुल्तान, निवासी नासिर वाली गली, न्यू आजमगढ़ा, थाना शाहगंज और खलील पुत्र नजीम, निवासी दौरेठा नंबर-2, न्यू आजमगढ़ा, थाना शाहगंज, आगरा शामिल हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में पुलिस चोरी की घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

हाईवे पर ट्रैक्टर-ट्रेलर की टक्कर, डीजल लूटने को बाल्टी-डिब्बे लेकर दौड़ी भीड़



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। एतादपुर क्षेत्र में शनिवार सुबह हाईवे पर डीजल से भरे ट्रैक्टर में पीछे से ट्रेलर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर का टैंक क्षतिग्रस्त हो गया और पेट्रोल-डीजल सड़क पर बहने लगा। रिसाव की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। कई लोग बाल्टी, डिब्बे और कैन लेकर पहुंचे और सड़क पर बह रहे डीजल को भरकर ले जाने लगे। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हादसा शनिवार सुबह करीब 7:45 बजे एतादपुर थाना क्षेत्र में फतेह सिंह की पुलिया के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, ट्रैक्टर एतादपुर स्थित इंडियन ऑयल डिपो से पेट्रोल-डीजल लेकर फिरोजाबाद के रसुलाबाद की ओर जा रहा था। इसी दौरान फिरोजाबाद की ओर से आगरा जा रहे ट्रेलर ने ट्रैक्टर में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रैक्टर का चैंबर क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें भरा ईंधन सड़क पर फैलने लगा।



दो चैंबर में भरा था 12 हजार लीटर ईंधन

ट्रैक्टर के परिचालक शिवदत्त ने बताया कि ट्रैक्टर दो चैंबर का था। इसमें करीब तीन हजार लीटर पेट्रोल और नौ हजार लीटर डीजल भरा हुआ था। टक्कर के बाद ट्रैक क्षतिग्रस्त होने से बड़ी मात्रा में डीजल सड़क पर बह गया। हादसे में करीब तीन से चार लाख रुपये के नुकसान का अनुमान बताया जा रहा है। ईंधन सड़क पर फैलने की जानकारी आसपास के लोगों को हुई तो देखते ही देखते भीड़ जमा हो गई। कई लोग अपने साथ बाल्टी, डिब्बे और कैन लेकर पहुंच गए। सड़क पर बह रहे डीजल को बर्तनों में भरकर ले जाने की होड़ मच गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लोग सड़क पर फैले ईंधन को बर्तनों में भरते दिखाई दे रहे हैं। सड़क पर पेट्रोल-डीजल फैलने से आग लगने का खतरा बना हुआ था। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर भीड़ को हटाया और आसपास खड़े लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा। हाईवे पर वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई और कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। पुलिस की मौजूदगी में क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त ट्रैक्टर को सड़क से हटवाया गया। इसके बाद सड़क पर फैले ईंधन को हटाकर यातायात व्यवस्था सामान्य कराई गई। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

19 किंवदंतल अवैध पटाखों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

शिकोहाबाद पुलिस, एसओजी और फायर सर्विस की संयुक्त कार्रवाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

शिकोहाबाद/फिरोजाबाद। आगामी दीपावली पर्व को देखते हुए जनपद में अवैध पटाखों के निर्माण एवं भंडारण के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शिकोहाबाद पुलिस, एसओजी एवं फायर सर्विस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने अवैध रूप से पटाखों का भंडारण करने के आरोप में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए करीब 19 किंवदंतल अवैध पटाखे बरामद किए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद आदित्य लाम्हे के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद के नेतृत्व में थाना शिकोहाबाद पुलिस टीम को मुखबिर से अवैध पटाखों के भंडारण की सूचना मिली।



सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 02 अक्टूबर 2026 को पंजाबी कॉलोनी स्थित एक गोदाम में कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार मौके से शिवम मल्होत्रा पुत्र अरुण मल्होत्रा, निवासी धोबी गली, थाना शिकोहाबाद तथा मनीष कुमार मल्होत्रा पुत्र ओमप्रकाश मल्होत्रा, निवासी पंजाबी कॉलोनी, थाना शिकोहाबाद को गिरफ्तार

किया गया। टीम ने गोदाम से करीब 19 किंवदंतल अवैध पटाखे बरामद किए। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना शिकोहाबाद में मु0अ0सु0 774/2026, धारा 5/9बी विस्फोटक अधिनियम, 1884 के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कंटेनर-डंपर की भिड़ंत के बाद दोनों में लगी भीषण आग, दो हेल्पर जिंदा जले

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर शनिवार सुबह करीब 5:45 बजे कंटेनर और डंपर की आमने-सामने की टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से डंपर में सवार दो हेल्पर्स की जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, आग इतनी विकराल थी कि दोनों के शव बुरी तरह झुलस गए और सीट से चिपके मिले। हादसे में कंटेनर चालक और बाइक सवार दो युवक भी घायल हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी तेज थी कि जोरदार आवाज के साथ दोनों वाहनों में आग भड़क उठी। कुछ ही देर में आग की लपटें कई मीटर तक उठने लगीं और हाईवे पर धुंध का गुबार छा गया। सूचना पर पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे की मशकत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। पुलिस के मुताबिक, गिड़ी से लदा डंपर धौलपुर से सादाबाद की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से फ्रोजन मटर लेकर आ रहे कंटेनर से उसकी टक्कर हो गई। हादसा खंडौली थाना क्षेत्र में हुआ। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। डंपर चालक राजकुमार और कंटेनर चालक शिवराम ने किसी तरह वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। वहीं डंपर में सवार हेल्पर आकाश (25) और रवि (24), निवासी धौलपुर, अंदर फंस गए। आग बुझने के बाद दोनों के शव बरामद किए गए। डंपर के पीछे बाइक से जा रहे सुमित सिंह पुत्र प्रीतम सिंह और सीटू पुत्र दीवान सिंह, निवासी नगला जालिम, खंडौली भी हादसे की चपेट में आ गए। दोनों घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल सुमित ने बताया कि वह सीटू के साथ बाइक से सादाबाद मंडी गए थे। वापस लौटते समय उनके आगे चल रहे डंपर ने अचानक ब्रेक लगाया, जिससे बाइक डंपर से टकरा गई। इसके बाद सामने से आ रहा कंटेनर भी डंपर से भिड़ गया। कंटेनर चालक शिवराम के मुताबिक वह चंदौसी से गुजरात जा रहा था। हाईवे पर अचानक डंपर सामने आ गया। उसने ब्रेक लगाकर कंटेनर को मोड़ने का प्रयास किया, लेकिन डंपर की साइड कंटेनर से टकरा गई। इसके बाद कंटेनर में आग फैलने लगी। शिवराम ने बताया कि आग बढ़ने से पहले वह वाहन से कूद गया। हादसे में उसके पैर और सिर में चोट आई है। हादसे के बाद हाईवे पर दोनों वाहनों के जलने और सड़क पर मलबा फैलने से यातायात प्रभावित हो गया। करीब पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर सड़क किनारे कराया, जिसके बाद यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका। पुलिस की प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह डंपर चालक को नींद की झपकी आना बताई जा रही है। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।



यूपी कांग्रेस की नई कार्यकारिणी पर टूटला में कांग्रेसियों ने बांटी मिठाई



मोर्निंग सिटी संवाददाता

टूटला। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक आराधना मिश्रा मोना तथा कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद इमरान मसूद सहित घोषित प्रदेश पदाधिकारियों की नई कार्यकारिणी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। कांग्रेस की ओर से किए गए संगठनात्मक बदलाव के बाद शुक्रवार को टूटला में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से खुशी व्यक्त करते हुए मिश्रान वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मुखिया जी मार्केट, लाइन पार, अनवारा रोड टूटला में आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डॉ. बी.एस. गौतम ने शहर अध्यक्ष जमील अब्बास एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनिल उपाध्याय को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर बधाई दी। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डॉ. बी.एस. गौतम ने कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस की नई कार्यकारिणी के गठन से प्रदेशभर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह और खुशी का माहौल है। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारियों के साथ कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। डॉ. गौतम ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे और जनता के बीच पार्टी की नीतियों एवं विचारों को पहुंचाने का काम करेंगे। इस दौरान जमील अब्बास, अनिल उपाध्याय, विष्णु सिंह, प्रवीण कुमार, अजब सिंह, भगवान सिंह, इकरार अली, ग्रीश कुमार, अरविंद कुमार, सुशील कुमार, प्रमोद रावत, चंद्रप्रकाश, सरफराज खान, जय कुमार वर्मा, जीतू शर्मा, दीवान सिंह, सोनू, बबलू, सुनहरी लाल, कमल सिंह यादव, विद्याराम बघेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खेत में घास लेने गई महिला की धारदार हथियार से हत्या

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फिरोजाबाद। थाना नगला खंगर क्षेत्र के गांव कौरारी खंडा में शुक्रवार शाम खेत पर पशुओं के लिए घास लेने गई 38 वर्षीय महिला की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। खेत में महिला का खून से लथपथ शव पड़ा मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर एसपी देहात अनुज चौधरी और सीओ चंचल त्यागी मौके पर पहुंचे। कौरारी खंडा निवासी सोनी (38) पत्नी संदीप शुक्लवार शाम करीब छह बजे पशुओं के लिए घास काटने खेत पर गई थीं। काफी देर बाद भी उनके घर न लौटने पर परिजनों और ग्रामीणों ने खोजबीन शुरू की। खेत में मोहिनी का शव पड़ा मिला। उनके सिर पर धारदार हथियार से वार किए जाने के निशान मिले। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विनोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट समेत अन्य साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही घटना के कारणों और हत्यारे की तलाश में जुटी है। ग्रामीणों के मुताबिक, मोहिनी के पति संदीप को करीब दो वर्ष पहले सड़क हादसे में गंभीर चोट लगी थी। इसके बाद उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया था। मोहिनी का 13 वर्षीय बेटा ननिहाल में रहकर पढ़ाई करता है। परिवार की जिम्मेदारी मोहिनी ही संभाल रही थीं। प्रारंभिक जांच में पुलिस की सुई परिवार के कुछ नजदीकी लोगों की ओर भी घूम रही है। हालांकि अभी हत्या की वजह और आरोपी स्पष्ट नहीं हुए हैं। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी ने सुनी 58 शिकायतें ,6 शिकायतों का मौके पर निस्तारण



मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन उपजिलाधिकारी स्वाति शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया इस अवसर पर उप जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को संपूर्ण समाधान दिवस में समय से पहुंचने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अधिकारी स्वयं उपस्थित रहे, प्रतिनिधियों को संपूर्ण समाधान दिवस में न भेजे। वहीं उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त हुई शिकायतों का निस्तारण गुप्त दोष के आधार पर समय सीमा के अंतर्गत करने के भी लिए निर्देश दिये। संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 58 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें से 6 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया शेष शिकायतों के निस्तारण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए इस दौरान तहसीलदार शिखर मिश्रा,एसपी शमसाबाद राजजीत रंजन,नायब तहसीलदार शुभा अवस्थी, एडीओ पंचायत फतेहाबाद नरेंद्र बघेल आदि मौजूद रहे

दुर्घटना संभावित स्थलों की निगरानी बढ़ाने पर जोर, टीमों को साँपी गई जिम्मेदारियां

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कमिश्नरेंट आगरा में जीरो फेटलिटी डिस्ट्रिक्ट अभियान के तहत क्टिकल कॉरिडोर टीमों की महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। पुलिस कमिश्नरेंट के 15 चिन्हित थानों में गठित 18 क्टिकल कॉरिडोर टीमों के प्रभारी और सदस्यों ने इसमें भाग लिया। गोष्ठी की अध्यक्षता पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार ने की। गोष्ठी में डीसीपी ट्रैफिक ने टीमों के प्रभारी और सदस्यों को उनके कार्यों एवं जिम्मेदारियों के संबंध में विस्तार से ब्रीफ किया। उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की लगातार और प्रभावी निगरानी करने के साथ ही ऐसे स्थानों पर हादसों की वजहों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों को कम करने के लिए दुर्घटना संभावित स्थलों पर सतर्कता के साथ निगरानी जरूरी है। टीमों को स्थानीय परिस्थितियों का आकलन कर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और दुर्घटना की आशंका वाले कारणों पर प्रभावी कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में सहायक पुलिस आयुक्त यातायात अमित कुमार भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने क्टिकल कॉरिडोर टीमों को आपसी समन्वय के साथ काम करने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए परिणामापरक प्रयास करने के निर्देश दिए। पुलिस के अनुसार, फेटलिटी डिस्ट्रिक्ट अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, दुर्घटना संभावित स्थानों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना और सड़क हादसों में होने वाली जनहानि को रोकने की दिशा में ठोस कदम उठाना है। इसके लिए चिन्हित कॉरिडोर पर निगरानी और कार्रवाई को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है।